**Seventeenth Loksabha**

an>

Ttile: Regarding renaming of Allahabad University, High Court, Railway Station and other Central Institutes as 'Prayagraj'.

**श्री विनोद कुमार सोनकर (कौशाम्बी) :** सभापति महोदय, भारतीय संस्कृति का महत्व प्रत्येक काल खंड में रहा है, चाहे सतयुग हो, द्वापर हो, त्रेता युग हो या अब कलयुग हो । प्रयाग की सुंदरता और महिमा का वर्णन रामचरितमानस में पूज्य तुलसीदास जी ने बड़े सुंदर ढंग से किया है:

"को कहि सकइ प्रयाग प्रभाउ । कलुष पुंज कुंजर मृगराऊ

अस तीरथपति देखि सुहावा । सुख सागर रघुबर सुखु पावा॥

प्रयाग की सुदंरता और प्रकृति को जिसने भगवान राम को भी सुख दिया हो, वैसे प्रयाग की महिमा का वर्णन रामचरितमानस में है । आज से 552 साल पहले प्रयाग के साथ अन्याय करके उसका नाम इलाहाबाद कर दिया गया । मैं उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया पूज्य योगी महाराज जी को बधाई दूंगा कि उन्होंने 552 साल बाद प्रयाग के साथ न्याय किया और इलाहाबाद का नाम बदल कर पुन: प्रयाग रखा । अभी भी प्रयाग में जो केन्द्रीय संस्थान, हाई कोर्ट, विश्वविद्यालय, रेलवे स्टेशन या अन्य केन्द्रीय संस्थान हैं, उनका नाम अभी भी इलाहाबाद है ।

मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग करता हूं कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय का नाम बदल कर प्रयाग विश्वविद्यालय, इलाहाबाद हाई कोर्ट का नाम बदल कर प्रयाग हाई कोर्ट और रेलवे स्टेशन का नाम बदल कर प्रयाग रेलवे स्टेशन करें, हवाई अड्डे का नाम भी प्रयाग रखा जाए । धन्यवाद ।

**माननीय सभापति:** श्री अजय कुमार, श्री गणेश सिंह और कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री विनोद कुमार सोनकर द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।